राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 81
खूनी कबीला
नागराज
नागराज
का एक पोस्टर
मुफ्त

खूनी कबीला

लेखक - राजा.
संपादक - मनीष चन्द्र गुप्त.
कलानिर्देशक - प्रताप मुळीक.
चित्रकार - चंदू.
कैलिग्राफी - सुभाष वाघ.

नागराज मोण्टकार्लो के कुख्यात आतंकवादी सीमेन को नेस्तनाबूद करके उसी के हैलीकॉप्टर पर सवार भारत की ओर बढ़ रहा था कि दक्षिण अफ्रीका के ऊपर से गुजरते हुए उसकी नजर एक मनोरम घाटीपर पड़ी-

कैप्टन! यह हैलीकॉप्टर किसका मंडरा रहा है ऊपर?
उसे छोड़ो, और पहले इन्हें शूट करो!

ओ.के. कैप्टन!

तीनों सैनिकों ने अपनी बन्दूकें काले कैदियों पर तान दीं- किन्तु इससे पहले कि वे फायर करते, उन्हें रुक जाना पड़ा -
ठहरो, लगता है यह हैलीकॉप्टर नीचे आ रहा है। पता करो किसका है यह?
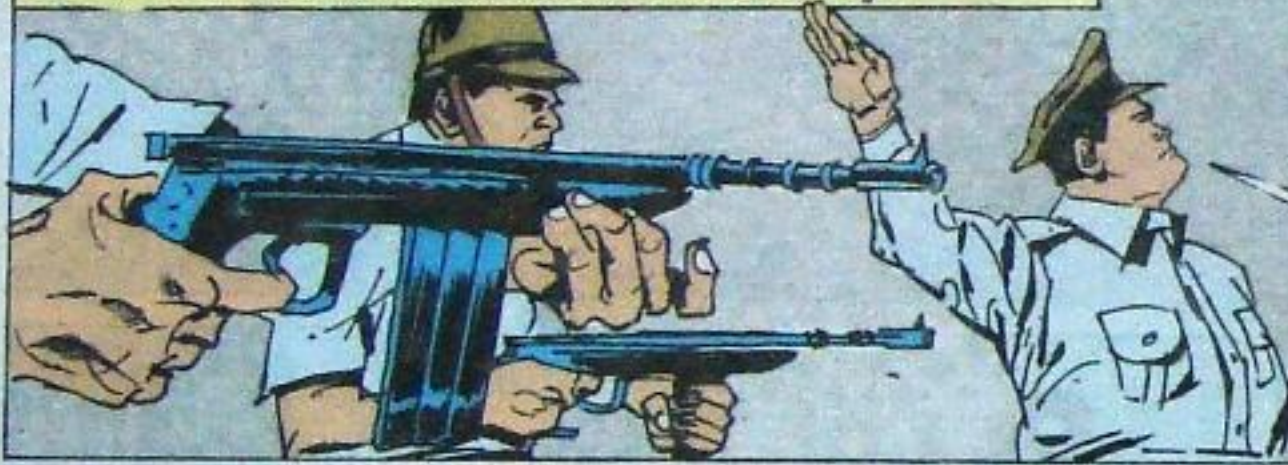
देखते ही देखते हैलीकॉप्टर जमीन पर उतर गया -
नागराज हैलीकॉप्टर से बाहर निकला।
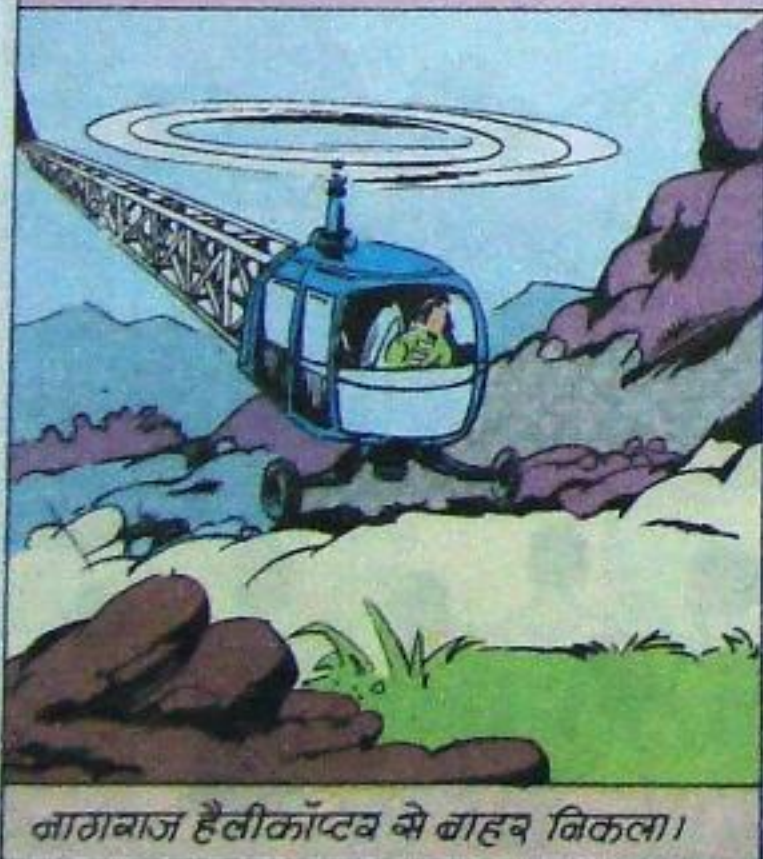
क्या बात है दोस्तो! क्यों इन लोगों का खून बहाना चाहते हो?
तुमसे मतलब... और तुम हो कौन यह सवाल पूछने वाले?

कैप्टन फिर गरजा -
और जानते हो, जनरल टमटा के राज में किसी काले की सरकारी काम में दखल देने की सजा मौत है।
शांत हो जाओ दोस्त। मेरा नाम नागराज है और इंसानियत पर हमला करने वाले हर सवाल से मेरा मतलब है। किस जुर्म के लिए इन्हें सजाए मौत मिली है!
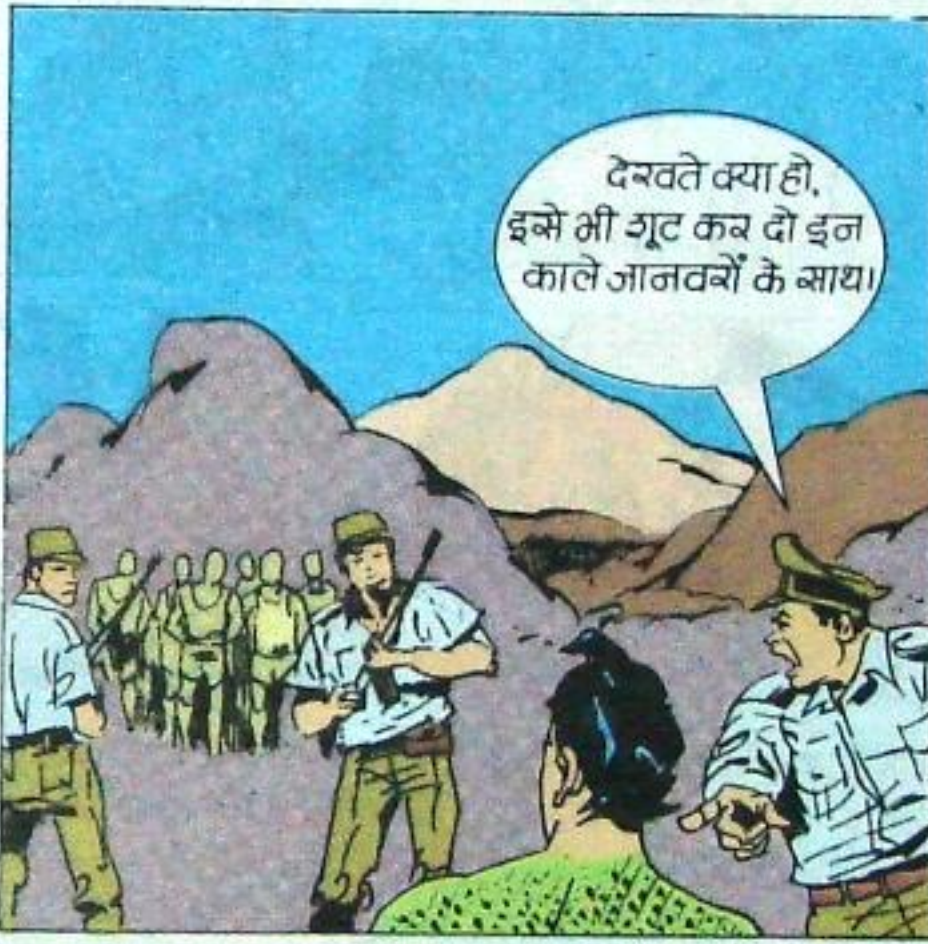
देखते क्या हो, इसे भी शूट कर दो इन काले जानवरों के साथ।

किन्तु इससे पहले कि कोई भी सैनिक हरकत में आता...
सांए... सांए... शू...

...उनकी गनें नागराज के कदमों में पड़ी थीं-
हा हा हा! इन खिलौनों से मुझे डराना चाहते थे।

मैं तुम्हें जिन्दा नहीं छोडूंगा।
धांए.. धांए.. धांए..

गोलियों का नागराज पर कोई असर ना हुआ—
हाएं! यह आदमी है या भूत! इस पर इतनी गोलियों का कोई असर नहीं हुआ!
हा हा हा! अब मेरा वार सम्भालो!

हाय! सांप... सांप... बचाओ... भागो रे!
सांप... सांप... हाय रे मोरी अम्मा!
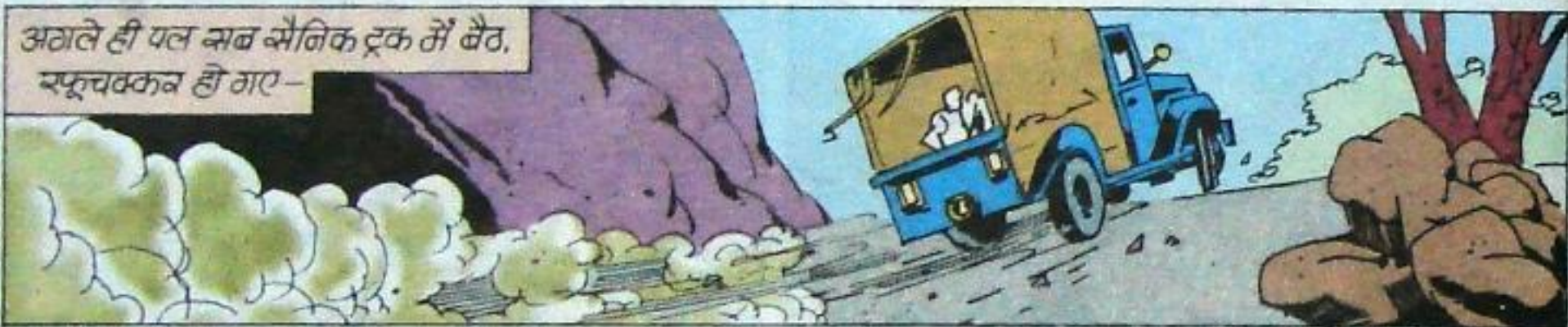
अगले ही पल सब सैनिक ट्रक में बैठ, रफूचक्कर हो गए—

नागराज कैदियों के पास पहुंचा—
साहिब, हमें बचा लो साहिब! वरना वो फिर आकर हमें मार डालेंगे।
क्यों?

नागराज ने उन्हें आजाद किया—
क्योंकि हमने अपने ही देश में रहने के लिए गोरी सरकार को कर नहीं दिया।
नागराज ने मन ही मन कुछ निश्चय किया...

...और फिर उनकी सहायता से नागराज ने हैलीकॉप्टर झाड़ियों में छुपा दिया -
देखो, चारों तरफ से ढक दो। दिखाई नहीं देना चाहिए।

कुछ देर बाद वे शहर की ओर चल पड़े -
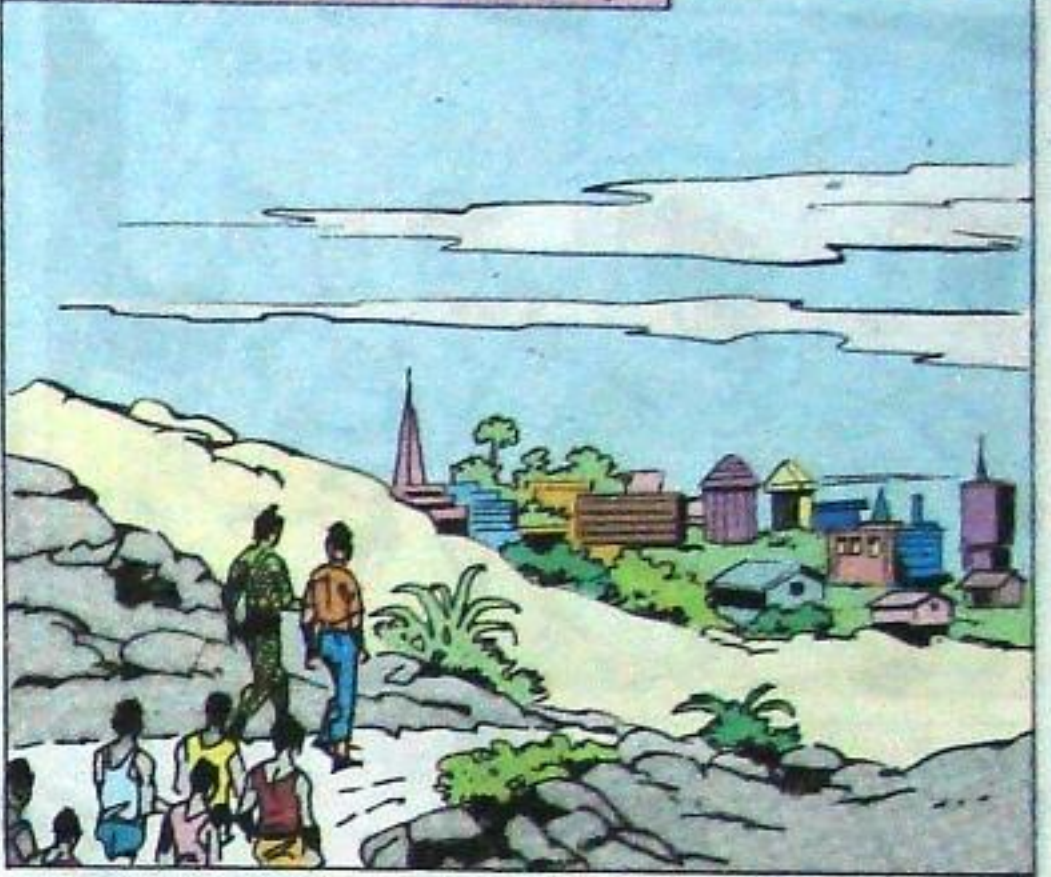
शहर में एक होटल के सामने -
नागराज, मेरी बात मानो, मेरे घर चलो...यह होटल केवल गोरों के लिए है।
सुगा, मुझे कोई नहीं रोक सकता

दरबान ने उन्हें रोका -
अरे, कहां घुसे आ रहे हो! कहा न तुम लोग यहां नहीं आ सकते!
BLACK DOGS NOT ALLOWED

मैंने कहा ना मैं यहीं रहूंगा। तुम बाहर जाओ।
नागराज, जिद न करो, वरना मारे जाओगे।

पु..लिस

सार्जेण्ट अंदर आया-
क्या लफड़ा है यहां!
सर, यह काला होटल में रहने की जिद कर रहा है।

ओह, काला कल्लू! सिपाहियो, पकड़ लो इसे और मार मारकर दिमाग ठिकाने लगा दो।

सिपाही डंडे लेकर आगे बढ़े-

किन्तु-
ठाक
तड़ाक

ह्ऽऽ हाऽऽ
मारो कल्लू को...

स्नेक फाईटर है।
हाय!
धड़ाक

मारो टक्कर
कल्लू को।

धड़ाक
आह!

बस, अब हाथ उठा लो कल्लू, वरना शूट कर दूंगा!

किन्तु -
हाय! सांप!

छि! यू कल्लू!
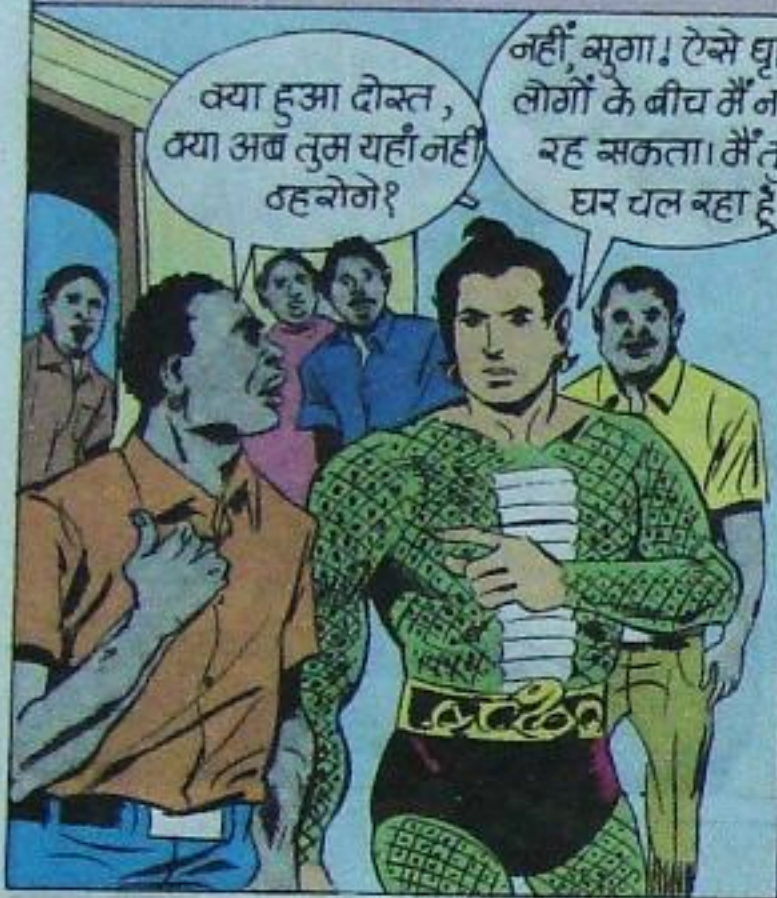
नागराज को होटल से बाहर जाता देख —
क्या हुआ दोस्त, क्या अब तुम यहां नहीं ठहरोगे?
नहीं, सुगा! ऐसे घृणित लोगों के बीच मैं नहीं रह सकता। मैं तुम्हारे घर चल रहा हूं।

सुगा खुशी-खुशी नागराज को शहर से बाहर पुरानी बस्ती में बने अपने घर ले आया।
नागराज! मां तुम्हें देखकर बहुत खुश होगी।
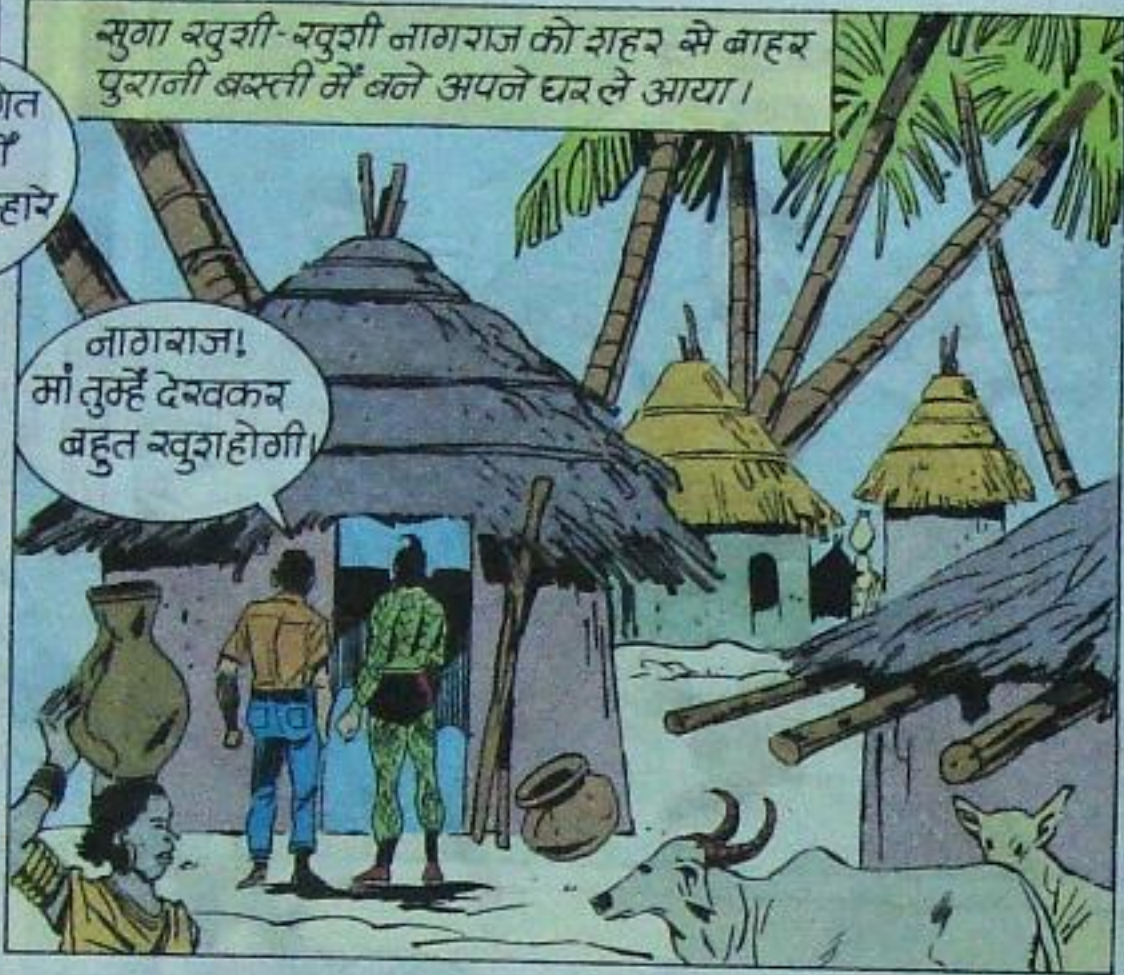
मां, देखो कौन आया है!
कौन, सुगा! मुझे पता था बेटा तू जरूर आयेगा। दुनिया चाहे कुछ भी कहे...

...मेरा लाल अपनी मां को अकेला छोड़कर कहीं नहीं जा सकता।
हां मां, मैं तुझे छोड़कर कहीं नहीं जा सकता...

...मां, मेरे दोस्त नागराज से मिलो। इसने ही मुझे गोरे सैनिकों से बचाया है और मां नागराज ने उन्हें बहुत मारा भी।

फिर तो जरूर यह भगवान हैं।

बेटा, तुम हाथ-मुंह धो लो। मैं तुम दोनों के लिए खाना लगाती हूं।
अच्छा मां!

खाना खाने के बाद सुगा नागराज को अपनी बस्ती दिखाने चल पड़ा -
नागराज, मैंने तुम्हारे हाथों से सांप निकलते देखे थे... तुम जादूगर हो?
नहीं, तुमने सपना देखा होगा।

नागराज, इनसे मिलो। ये हैं चोमा, पोमा और क्रो। हम चारों मिलकर इन गोरों के खिलाफ गोरिल्ला युद्ध लड़ते हैं।
हैल्लो!
हैल्लो!

नागराज, चोमा बहुत बड़ा तीरंदाज है। यह बस्ती में घुसे गोरे सैनिकों पर विषैले तीरों से हमला करता है...

...क्रो जलती हुई मशाल से लड़ता है...

...पोमा, इस फूंकनी से जहरीले तीर फेंकता है...

...और मैं शातिर चाकूबाज हूं। अपने चाकू से उड़ती हुई चिड़िया की आंख तक निकाल लेता हूं।

वाह, तुम लोगों में तो बहुत खूबियां हैं।
हां नागराज। किन्तु हमारे ये हथियार गोरी सरकार के बारूदी हथियारों के आगे नगण्य हैं।

हिम्मत ना हारो सुगा! मैं प्रण लेता हूं कि तुम्हें और तुम्हारी जाति को इस जुल्मी सरकार से आजाद कराकर ही जाऊंगा।

नागराज... जिन्दाबाद!
नहीं...

... नागराज! मेरे ख्याल से अब तुम्हें यहां से निकल जाना चाहिए।
क्यों!

क्योंकि भागे हुए सिपाही जब जनरल टमटा को तुम्हारे बारे में बताएंगे तो वह अपनी भयानक सेना को तुम्हें मारने भेजेगा और वे हैवान तुम्हें मारने से पहले बस्ती में भी भयानक मारकाट मचा देंगे...

...और नागराज, जिसने मेरी जान बचाई है, मैं उस फरिश्ते को मरते नहीं देख सकता।
सुगा! मुझे जनरल टमटा के बारे में बताओ!
और सुगा नागराज को जनरल टमटा के बारे में बताने लगा।

उधर नागराज से पिटकर कैप्टन एवं सार्जेण्ट जनरल टमटा के पास पहुंचे-
खामोश...
कायरो, मैं कुछ नहीं सुनना चाहता। तुम कालों से पिटकर आए हो, इसकी सजा तुम्हें जरूर मिलेगी।
सर, हमें माफ किया जाये... सर.. रहम!
जनरल टमटा ने एक बटन दबा दिया। फलस्वरूप...

...हॉल के दाईं तरफ की दीवार हट गई।
कीऽऽ हूंऽऽ
चींऽऽ हूंऽऽ

फिर उसने एक विशेष अंदाज में सीटी बजाई—
सूं

और दीवार के पीछे मौजूद चार बड़े-बड़े गिद्द जनरल टमटा की विशेष सीटी की आवाज सुनकर हॉल में आ गए।
कीऽऽ हूंऽऽ
चींऽऽ हूंऽऽ

जनरल टमटा ने फिर सीटी बजाई और गिद्द सार्जेण्ट एवं कैप्टन पर टूट पड़े-
हाहाहा
चींऽऽ हूंऽऽ
चींऽऽ हूंऽऽ
नहीं, सर बचाओ... आ..ई..ई..
आह!

कुछ ही देर में चारों भूखे गिद्ध सार्जेण्ट और कैप्टन को चटकर गए-
साफ करवाओ इसे और खूनी कबीले के सरदार टॉगो को यहां भेज दो।
चीं ऽऽ ऊँ ऽऽ

और जनरल टमटा के सीटी बजाते ही गिद्ध वापस अंदर चले गए।
चीं ऽऽ ऊँ ऽऽ

थोड़ी देर बाद-
आपने मुझे बुलाया सर ?
हां टॉगो, बहुत दिनों से हम तुम्हारे कबीले को काले लोगों का गोश्त खिला रहे हैं।

ये तो आपकी मेहरबानी है सर।
लेकिन आज तुम्हें कुछ करके दिखाना होगा।

आप आज्ञा दें सर! हमारा कबीला आपके लिए कुछ भी करने को तैयार है सर!
हमें तुमसे यही आशा थी टॉगो!

फिर जनरल टमटा ने टॉगो को नागराज के विषय में सब बता दिया-
ठीक है सर। मैं सब समझ गया। मैं अपने जुड़वां भाई कांगो को भेजता हूं उसका गोश्त खाने को।
अब तुम जा सकते हो।
और फिर टॉगो वहां से चल पड़ा।

कुछ ही देर में खूनी कबीले का काफिला टांगो के जुड़वां भाई कांगो के नेतृत्व में नागराज की तलाश में निकल पड़ा –
हर्रर
गर्रर
हूहा
हम उसे कच्चा चबा जायेंगे... खून पी जायेंगे उसका भी।

पुरानी बस्ती में पहुंचते ही खूनी कबीले ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया –
आई...
मार डाला...
मेरे बच्चे को छोड़ दो!
सबको खा जायेंगे। बताओ, नागराज कहां है?
खा जाओ, सब काले जानवरों को।
नागराज... नागराज बचाओ.. तुम्हारी तलाश में खूनी कबीले वालों ने बस्ती पर हमला बोल दिया है।

नागराज उस समय बस्ती वालों द्वारा आयोजित स्वागत-समारोह में खुशी मना रहा था।
क्या? कहां? किधर?

नागराज तुरन्त खड़ा हो गया—
सुगा, चलो। हमें उन्हें रोकना है।
चलो नागराज! हम तैयार हैं।

पोमा ने अपनी फूंकनी...

...चोमा ने धनुष बाण...

...क्रो ने मशाल और सुगा ने अपना चाकू संभाल लिया—
शूं
शाएं
हाय सांप
आह!

आह!

धाएं
धाएं
उफ!

टंकार

तभी कांगो नागराज के सामने आ गया -
बस, बहुत हुआ नागराज! अब मैं तुझे अपना आहार बनाऊंगा।
यह तो वक्त ही बताएगा कि मैं तेरा आहार बनता हूं या तू यम का आहार बनेगा।

नागराज ने कांगो पर छलांग लगाई-

किन्तु बलिष्ठ कांगो पर उस किक का कोई असर न पड़ा-
कांगो ने उसे दूर उछाल दिया।

और तभी खूनी कबीले के जंगलियों ने नागराज को घेर लिया-
हा हा हा

अगले ही पल नागराज उनके घेरे से बाहर आ गया -

तभी कांगो ने उसे अपनी बलिष्ठ भुजाओं में कस लिया-
हा हा हा, अब तुम्हें कोई नहीं बचा सकता नागराज!

और उसकी गरदन में दांत गड़ा दिये-
ई...sss
आह! चप-चप..

किन्तु वह बदनसीब नहीं जानता था कि नागराज के शरीर में हजारों सर्पों का विष है-
आहssआsss

फलस्वरूप उसका शरीर पिघलता चला गया-

अपने सेना नायक को मरता देख खूनी कबीले के जंगलियों के होश उड़ गये-
अरे कांगो मर गया!
भागो!

हमारा सरदार मर गया!
नागराज ने कांगो को मार दिया!

अपने बलवान भाई की मौत की खबर सुनकर टांगो उछल पड़ा -

क्या, महाबली कांगो मारा गया... कहां... किधर... कैसे!

सरदार, पुरानी बस्ती में जब कांगो ने उस जादूगर नागराज को खाने के लिए उसके शरीर पर दांत गड़ाये तो वे खुद ही पलटकर धरती पर गिर पड़े और देखते ही देखते उनका शरीर मोम की तरह पिघल गया।

वह बड़ा ताकतवर है सरदार!
स्नेक फाइटर है वो...
उसके शरीर से सांप निकलते हैं।

खामोश ...गर्र...

...तुम सब कायर हो जो दुम दबाकर भाग आए। अब तुम सब मेरे साथ चलोगे।...

नागराज की मौत उसे यहां खींच लाई है। गु र्र

ये तो हमें भी मरवायेगा।
कितनी मुश्किल से जान बचाकर आये थे। मैं नहीं जाऊंगा।
मत जा सरदार, तुझे भूनकर खा जायेगा।

वह दोनों बाल्टी खून चट कर गया-

आ...आहा चट.. चट

चलो अब पुरानी बस्ती और जो मिले उसका खून पीलो।

खूनी कबीले के जंगली फिर अपने सरदार टांगो के पीछे पुरानी बस्ती की ओर चल पड़े-

जिंगा लाला हुर्र फर्र

हुर्रा हाऽऽ

दूसरी तरफ नागराज भी बस्ती वालों को खूनी कबीले से लड़ने के लिए तैयार कर रहा था।
खूनी कबीले के नजर आते ही हम सब उन पर भालों से हमला करेंगे।
अपने तीरों की और पैना करो चोमा!

थोड़ी ही देर बाद वातावरण खूनी कबीले की भयंकर दहाड़ों से गूंजने लगा।
खून... खून...
हू..हा..हा..हा

मारो!
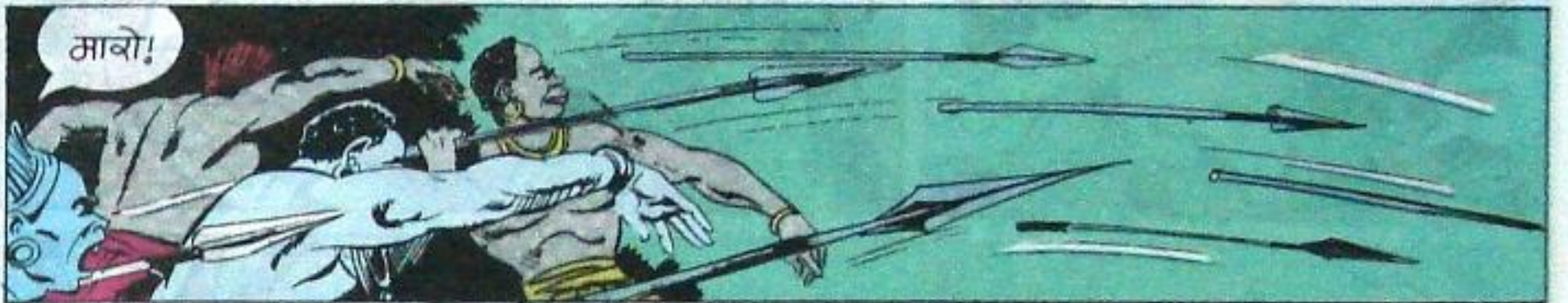
खूनी कबीले पर फेंके गये भाले कुछ तो लपककर तोड़ दिए गये और कुछ टोंगो के मुख से निकलती अग्नि में भस्म हो गए-
हू..हा..हा
हा... जिंगा लाला!
हो...हो..हो, अब चूहे पंजे मारना सीख रहे हैं।

फिर खूनी कबीले ने वहां भयंकर मारकाट मचा दी-
हू...
आह...ई बचाओ!

आह!
वाह... गरम-गरम खून!

हा हा हा आगे बढ़ो... खत्म कर दो सबको।
आह!

टूट पड़ो साथियो! हम इन्हें मार भगायेंगे।

हा..हा हा
आह
आह...बचाओ सांप...
आह!
थू...
बापरे! इसके मुंह से तो आग निकल रही है।

क्रो ने जलती हुई मशालें दुश्मन पर फेंकी-
मार डालूंगा सबको हा..

आह!

पोमा ने कबीले पर विषबाण व अग्निबाणों की वर्षा कर दी-
सांय.. सांय...

हाय!
आह!

सूगा के सटीक निशानों ने कई जंगलियों को यमपुरी पहुंचा दिया-
आह!

पोमा की फूंकनी ने भी जंगलियों पर खूब कहर ढाया-
आह!

किन्तु इन सबसे ज्यादा आतंक फैलाया हुआ था टांगो ने -
इस तरह तो यह अकेला ही सबको खत्म कर देगा। मुझे कुछ करना चाहिए।
हा.हा.हा.हा..

नागराज ने टांगो पर नागरस्सी छोड़ी -
सांए.. सांए..
शूं!!!

किन्तु टांगो ने बेहिचक नाग को मुंह में डाला...

किचर.. किचर..

... और चबा डाला -
आक... थू...

नागराज ने पैंतरा बदला और एक नाग फिर छोड़ा -
शूं!!!
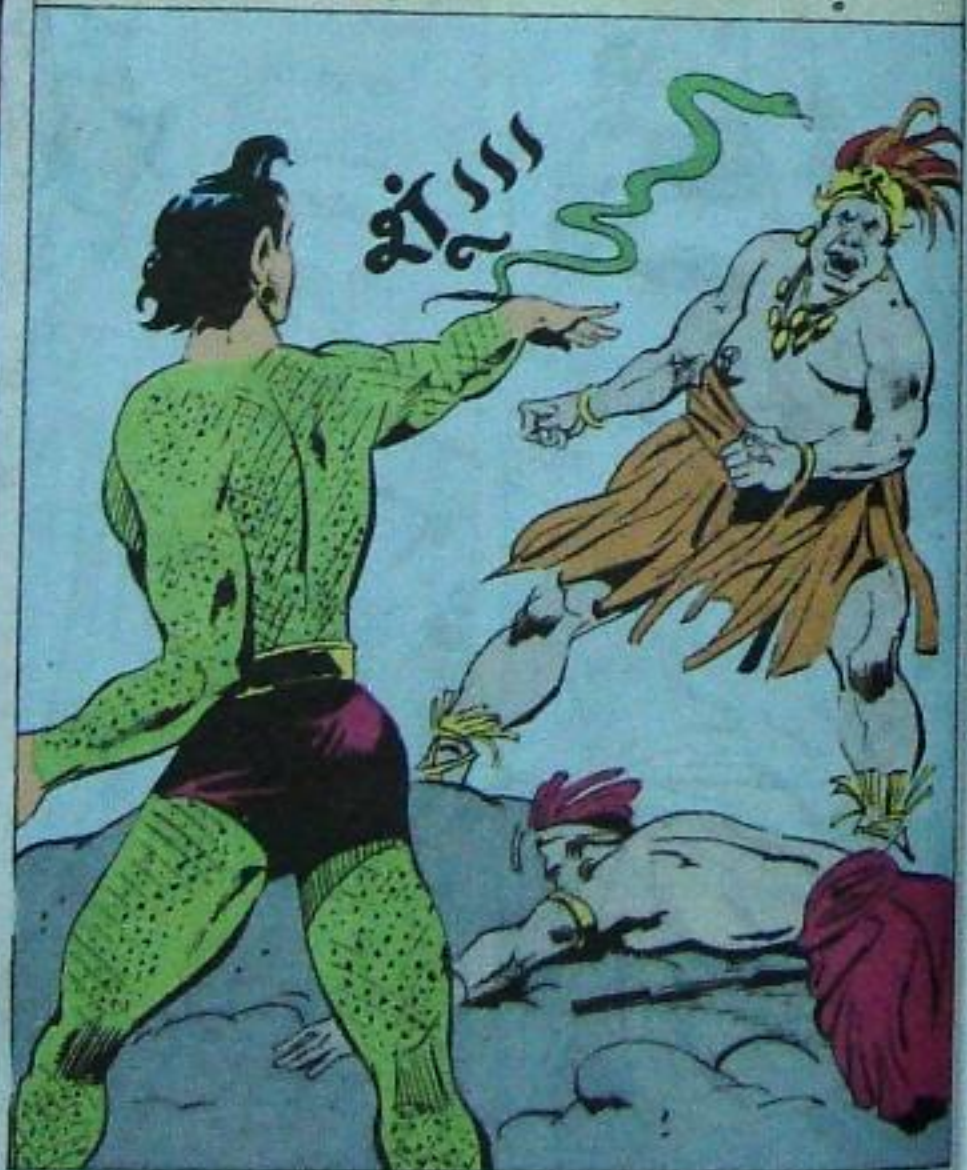
किन्तु नाग टांगो के मुख से निकलती आग में बुरी तरह झुलसकर बीच में ही गिर पड़ा-
हईई

मुझे जहरीली फुंफकार से काम लेना चाहिए।

नागराज ने टांगो पर जहरीली फुंकार छोड़ी परन्तु टांगो की फुंकार ने उसे निष्क्रिय कर दिया-
फु...
हईई

अपने सब वार विफल होते देख नागराज हवा में उछला...

...और अपने दोनों पैरों को जोड़कर एक ताकतवर टक्कर उसने टांगो के सीने पर जड़ दी।
ठाक
आह

टांगो के गिरते ही नागराज को जंगलियों ने घेर लिया-
पकड़ लो इसे और खूब मारो।
जिंगा लाला हुर्र फुर्र
आह!
हा..हा..हा हा

नागराज शीघ्र ही सम्भल गया और जंगलियों पर टूट पड़ा-
हाय!
तड़ाक

ठाक
ठाक
हाय!
हाय!
हाय!

आह! मरा!

देखते ही देखते नागराज को घेरे हुए सभी जंगली धाराशायी हो गए-
आह! मार डाला! आह..अह
मैंने पहले ही मना किया था।
हाय, मैं तो उठ भी नहीं सकूंगा।

अपने साथियों की दुर्गति देख क्रोधित टांगो नागराज पर झपटा-
अगर तेरे शरीर से नाग निकलते हैं तो मेरे भी मुंह से आग निकलती है नागराज..ह..ई...

मैं तुझे भस्म कर दूंगा...ह..ई..
ओह!

हा हा हा नाग की औलाद!
आह, बड़ी भीषण गर्मी है.. मुझे इससे बचना ही होगा।

इधर सुगा अपनी तरफ बढ़ते जंगलियों पर निरन्तर चाकू बरसा रहा था-
नागराज कहीं नजर नहीं आ रहा।
आह!

तभी...
आह!
...एक पत्थर सुगा के हाथ पर आकर लगा।

और मौके का फायदा उठाकर जंगलियों ने उस पर हमला करके...
गक
तड़
तड़क
हाय!

...उसे बंदी बना लिया-
ले चलो इसे कबीले में।

टंगो ने पोमा वाले पेड़ पर फुंकार मारी-

फलस्वरूप पोमा नीचे आ पड़ा-
पकड़ लो इसे, बाँधकर कबीले ले चलो... देवता की बलि चढ़ायेंगे।
आह!

जंगलियों ने उसे बंदी बना लिया-
जिंगा लाला हुर्र र फर्र र

इसी तरह चोमा का धनुष भी एक तेज हथियार ने काट दिया-

कटाक
ओह!

और वह भी बंदी बना लिया गया-
जिंगा लाला हुर्र र

तभी जंगलियों ने बस्ती में आग लगा दी-
आग
भागो आग
बचाओ
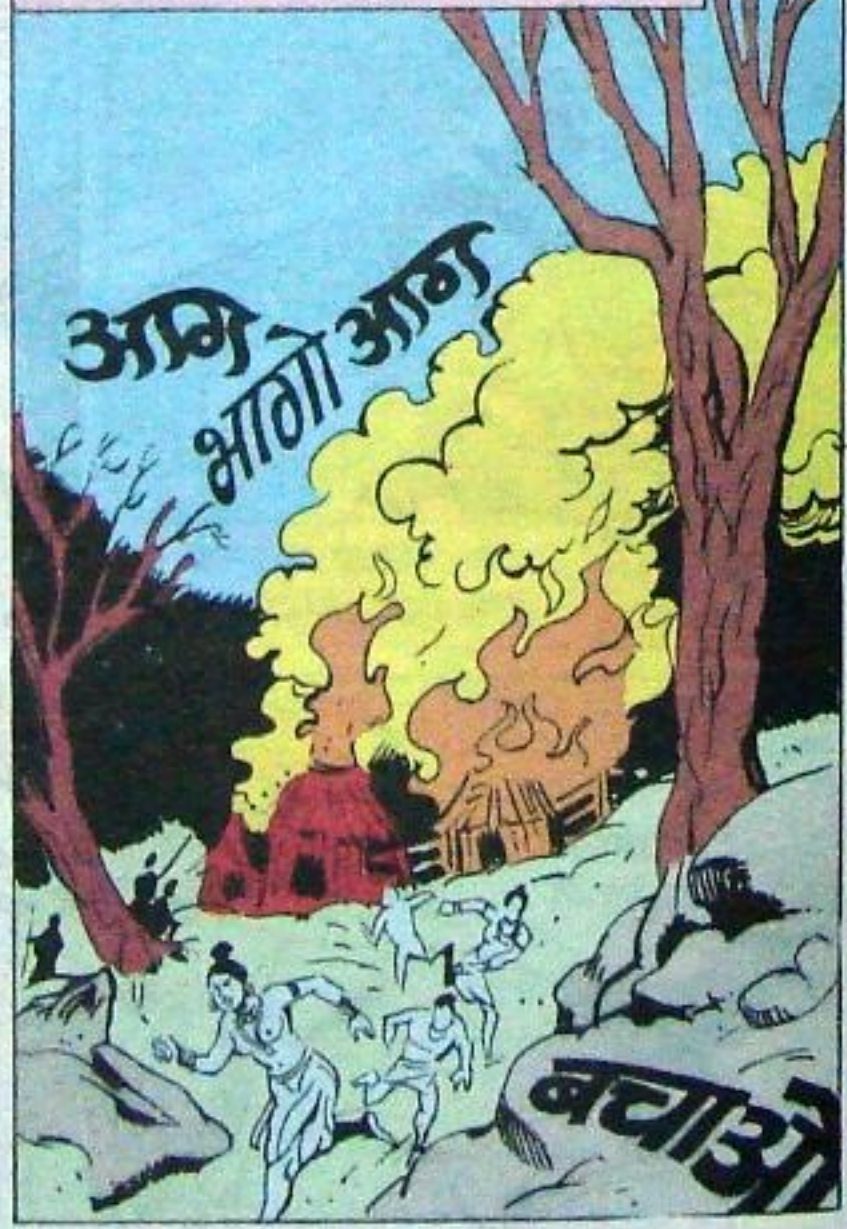
नेता विहीन बस्ती वालों में भगदड़ मच गई। वे बचने के लिए बस्ती छोड़कर भागने लगे-
भागो वरना सब मारे जाओगे।
आह! आह!

सरदार, नागराज यहाँ कहीं नहीं है। लगता है वह भाग गया।
भागेगा कहाँ... अपने आदमी चारों तरफ फैला दो। सुबह होते ही पकड़ा जायेगा।

चलो साथियो! सब कैदियों को लेकर कबीले वापस चलो!

तबाही और बरबादी मचाकर खूनी कबीले के जंगली बस्ती वालों को कैदी बनाकर ले गए-
नागराज... नागराज तुम कहां हो?

उधर नागराज टंगो की आग से घायल भागता हुआ लाशों के बीच गिर पड़ा था।

तभी वहां महात्मा गोरखनाथ प्रकट हुए—
उठो नागराज!

आह!
जागो वत्स!

बाबा आप!
चिन्ता मत करो नागराज! आपरेशन द्वारा तुम्हारे मस्तिष्क में मैंने जिस शक्ति का संचार किया था वह इतनी आसानी से नष्ट नहीं हो सकती

लेकिन बाबा उसके मुंह से तो आग निकलती है... अन्यथा...
आग भी तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेगी नागराज! बल्कि धधकते हुए ज्वालामुखी भी तुम्हें क्षति नहीं पहुंचा सकेंगे।

वो कैसे बाबा?
उसके लिए तुम्हें कोबरा घाटी जाना होगा। वहां महर्षि ज्वालानाथ जी रहते हैं। इस मुसीबत से तुम्हें वही निकाल सकते हैं।
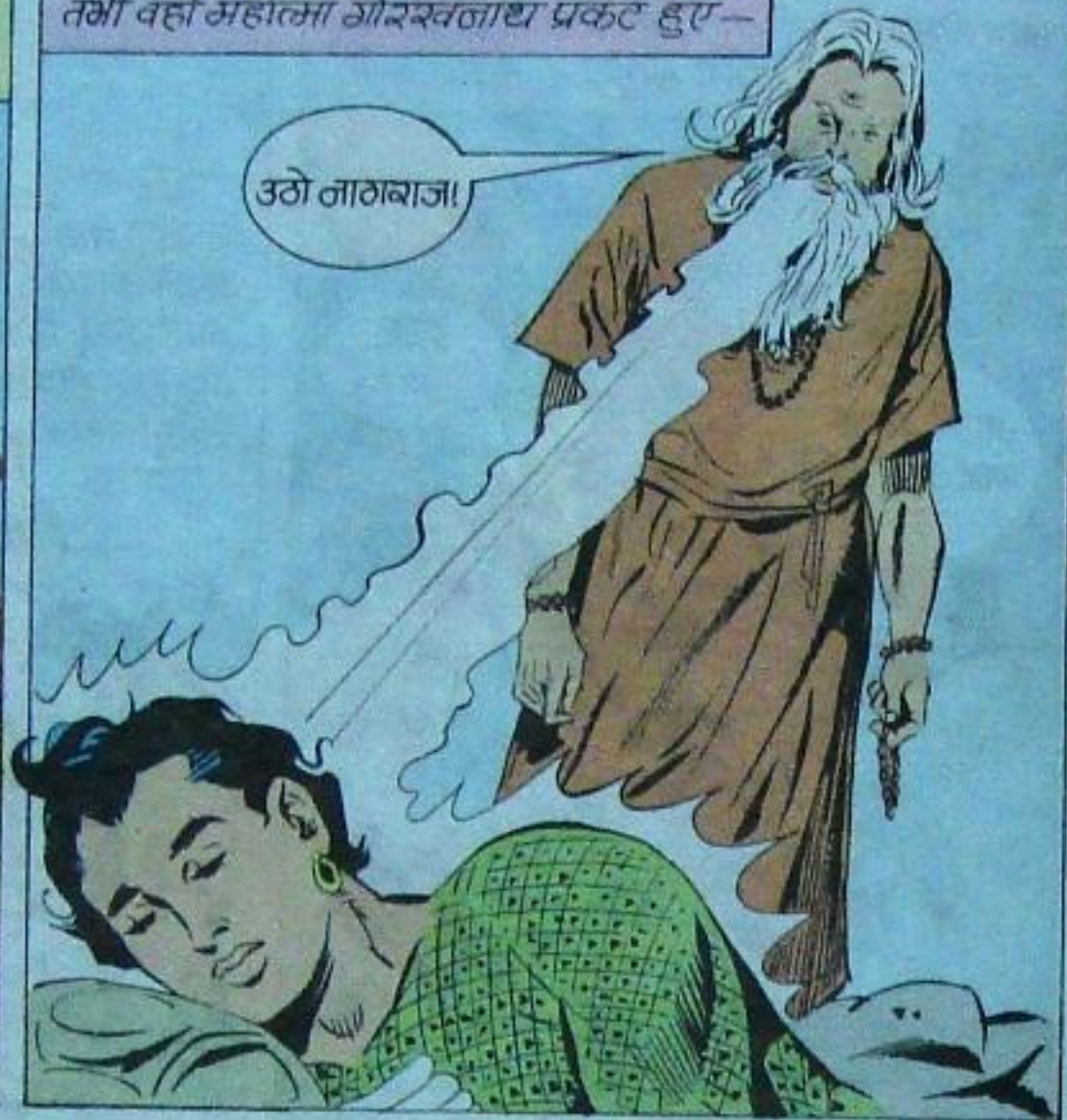
लेकिन बाबा! ये कोबरा घाटी है कहां?
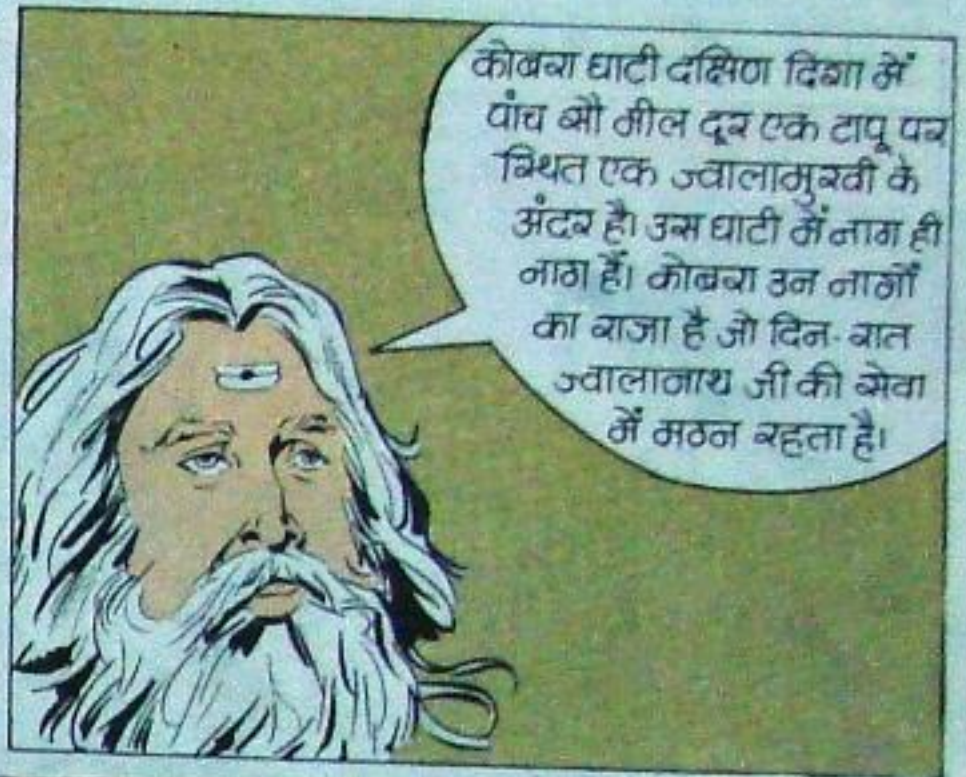
कोबरा घाटी दक्षिण दिशा में पांच सौ मील दूर एक टापू पर स्थित एक ज्वालामुखी के अंदर है। उस घाटी में नाग ही नाग हैं। कोबरा उन नागों का राजा है जो दिन-रात ज्वालानाथ जी की सेवा में मग्न रहता है।

परन्तु बाबा! मैं उस टापू को कैसे पहचानूंगा?
नागराज! उस ज्वालामुखी के पास पांच और ज्वालामुखी हैं, जिनमें से हर समय लावा निकलता रहता है।

केवल वही एक ऐसा ज्वालामुखी है-जो कि शांत है। वह भी महर्षि के निवास के कारण. और यही उस टापू की पहचान है।

मैं वहां अवश्य जाऊंगा बाबा! मानवता की रक्षा के लिए मैं कुछ भी कर सकता हूं।
मुझे तुमसे यही आशा थी नागराज! अच्छा अलविदा! फिर मिलेंगे

बाबा के अदृश्य होते ही -
मुझे कोबरा घाटी जाने के लिए किसी तरह अपने हैलीकॉप्टर तक पहुंचना है।

अभी वह आगे बढ़ा ही था कि-
नागराज!
कौन.. क्रो!

नागराज! हम लुट गए... तबाह हो गए। नागराज, उन्हें बचाओ... वरना वे उनकी बलि चढ़ा देंगे।
हां क्रो! हम उन्हें जरूर बचाएंगे ... किन्तु...

... उसके लिए पहले मुझे कोबरा घाटी जाना होगा। तुम किसी तरह मुझे मेरे हैलीकॉप्टर तक पहुंचा दो।
फिर नाग- ाज ने क्रो को कोबराघाटी के बारे में सब बता दिया-

क्रो ने बस्ती से एक बैलगाड़ी निकाली और नागराज को लेकर नदी किनारे हैलीकॉप्टर की तरफ चल पड़ा।

जल्दी आना नागराज! वरना सब खत्म हो जाएगा!

फिर वह उड़ चला कोबराघाटी की तरफ-
मेरा इंतजार करना क्रो। मैं जल्दी ही आ जाऊंगा।